भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड,
ग्राम भोपालपानी, पोस्ट बड़ासी,
रायपुर–थानों रोड़, देहरादून

पत्रांकः– 2033 /सं0नि0/भू0खनि0ई0/भू0सर्वे0/दे0दून/2020–21 दिनांकः– 19 नवम्बर, 2020

सेवा में,

अधिशासी अभियन्ता,
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड,
उत्तराखण्ड जल संस्थान, लेन नं0–1,
तरूण विहार, मोथरोवाला रोड़,
देहरादून।

विषयः– गुमानीवाला पेयजल योजना की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या।

प्रस्तावना (Introduction):–

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड, उत्तराखण्ड जल संस्थान, लेन नं0 1, तरूण विहार, मोथरोवाला रोड़, देहरादून के पत्र संख्या 177/पैरी अरबन/2020–21 दिनांक 23.10.2020 द्वारा अवगत कराया गया है कि उत्तराखण्ड पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत पेयजल योजना अर्द्धनगरीय क्षेत्र गुमानीवाला में नलकूप एवं उर्ध्व जलाशय निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव गठित किया गया है, जिस हेतु वर्णित स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है। उक्त के अनुपालन में नलकूप एवं उर्ध्व जलाशय निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल की भू–गर्भीय दृष्टिकोण से निरीक्षण, श्री कमलेश पन्त, सहायक अभियन्ता जल संस्थान एवं श्री राकेश जोशी, कनिष्ठ अभियन्ता की उपस्थिति में दिनांक 18.11.2020 को सम्पन्न किया गया।

गुमानीवाला नलकूप एवं उर्ध्व जलाशय निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि की भू–गर्भीय निरीक्षण आख्या

प्रस्तावित स्थल गुमानीवाला में अमित ग्राम रिंग रोड से लगा भू–भाग हैं । जिसके पूरव में सैरीकलचर की भूमि, पश्चिम में जीवन जागृति चौक, दक्षिण में मोटर मार्ग अवस्थित है। प्रस्तावित स्थल गुमानीवाला के अन्तर्गत नलकूप एवं उर्ध्व जलाशय निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि जिसका आकार 50 मी0 X 50 मी0 (0.25 हेक्टेयर) है, जो गुमानीवाला के आरक्षित वन भूमि में स्थित है। उक्त भूमि पर 03 सूखे खैर के वृक्ष है। स्थल की भौगोलिक स्थिति निम्नवत हैः–

a. **N- 30^0 08' 25.11"**
E- 78^0 24' 85.32"

b. **N- 30^0 08' 20.67"**
E- 78^0 24' 87.76"

c. **N- 30^0 08' 26.58"**
E- 78^0 24' 90.94"

d. **N- 30^0 08' 21.70"**
E- 78^0 24' 92.15"

प्रस्तावित स्थल भूगर्भीय दृष्टिकोण से दून ग्रेवल्स के अन्तर्गत आता है। स्थल एक समतल भू–भाग है जिसमें मिट्टी का मोटा आवरण व इसके निचले भू–भाग में कोबुल, पेबुल मिट्टी में मिश्रित अवस्था में पाये जाने की सम्भावना है। स्थल पर भूगर्भीय दृष्टिकोण से कोई विपरीत भूगर्भीय परिस्थितियां दृष्टिगोचर नहीं होती हैं परन्तु

निम्नलिखित सुझावों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने की स्थिति में प्रश्नगत स्थल नलकूप एवं उर्ध्व जलाशय निर्माण कार्य हेतु भूगर्भीय दृष्टिकोण से उपयुक्त प्रतीत होता है:–

1. उर्ध्व जलाशय का निर्माण Framed Structure पर किया जाना होगा।
2. उर्ध्व जलाशय के निर्माण में सिविल इंजीनियरिंग मानकों का पूर्णतया समावेश किया जाना होगा।
3. स्थल की भार ग्रहण क्षमता के अनुरूप उर्ध्व जलाशय का निर्माण किया जाये।
4. उर्ध्व जलाशय के चारों तरफ पानी की निकासी हेतु समुचित प्रबन्ध किये जाने होंगे।
5. प्रश्नगत स्थल वन भूमि होने की दशा में वन विभाग की अनापत्ति प्राप्त की जानी होगी।
6. निर्माण कार्य के दौरान स्थल से निकलने वाली मिट्टी बोल्डर, कोबुल, पेबुल का वाणिज्यिक प्रयोग पूर्णतया प्रतिबन्धित होगा। अन्यथा की स्थिति में सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त की जानी होगी।

अतः उपरोक्त शर्तों एवं सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने की दशा में स्थल भूगर्भीय दृष्टिकोण से नलकूप एवं उर्ध्व जलाशय निर्माण हेतु उपयुक्त प्रतीत होता हैं।

30/9/11/20

(अनिल कुमार)
संयुक्त निदेशक, भूविज्ञान

पत्रांकः– /सं0नि0/भू0खनि0ई0/भू0सर्वे0/दे0दून/2020–21, तद्दिनांक।

प्रतिलिपिः– निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(अनिल कुमार)
संयुक्त निदेशक, भूविज्ञान